भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या** 2413

जिसका उत्तर दिनांक 03.01.2019 को दिया जाना है

**संवहनीय विकास के लिए भारत-फ्रांस समझौता**

2413. डा. प्रकाश बांडा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत और फ्रांस ने 10 गीगावाट ऊर्जा उत्पन्न करने वाले छह नाभिकीय रिएक्टर बनाने हेतु प्रारंभिक समझौते की प्रगति की समीक्षा की है ;

(ख) क्या दोनों पक्षों ने अफ्रीका में, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सौर संधि (आईएसए) के संबंध में सतत् विकास के क्षेत्र में एक साथ परियोजनाएं शुरू करने के लिए भी अपनी सहमति जताई है ; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ):

(क) हाल ही में, फ्रांसिसी विदेश मंत्री के भारत दौरे के दौरान, दोनों सरकारों ने पाया कि न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और इलेक्ट्रीसाईट डी फ्रांस (ईडीएफ) के बीच 2018 में किए गए इंडस्ट्रियल वे फॉरवर्ड एग्रीमेंट के अनुसरण में संतोषजनक प्रगति की गई है तथा 'स्टेटस ऑफ प्रोग्रेस फॉर इम्प्लीमेंटेशन ऑफ इंडस्ट्रियल वे फॉरवर्ड एग्रीमेंट' को अपनाया ।

(ख) तथा (ग) आज भारत और फ्रांस जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ने वाले अग्रणी देश हैं । नई दिल्ली में दिनांक 11 मार्च 2018 को अंतरराष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबंधन (आईएसए) के संस्थापना सम्मेलन का संयुक्त आयोजन तथा दिनांक 2 से 5 अक्तूबर 2018 तक नई दिल्ली में आयोजित इसकी पहली आम सभा से, जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ने के हमारे संयुक्त संकल्प को और अधिक बल मिला है । अब आई.एस.ए., संधी आधारित अंतरराष्ट्रीय तथा अंतरसरकारी संगठन बन गया है, जिसका मुख्यालय भारत में है । आई.एस.ए. के फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने वाले 71 देशों में से 48 देशों ने 'अनुसमर्थन की लिखत' जमा कर दी है । भारत और फ्रांस, अफ्रीका के स्थैर्य एवं संपन्न्ता के लिए सहयोग और साथ मिलकर काम करने का साझा हित रखते हैं, जिनमें क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा संयुक्त परियोजनाओं जैसी विकासोन्मुख पहलें भी शामिल हैं ।

अफ्रीका के संबंध में 11 दिसम्बर 2018 को हुई दूसरी भारत-फ्रांस वार्ता ने दोनों देशों को , अफ्रीका में नवीनतम घटनाओं के संबंध में अपने विचारों के आदान-प्रदान और अफ्रीका में शांति, स्थैर्य तथा समृद्धि की दिशा में योगदान करने के संयुक्त प्रयासों के लिए संभावनाओं का पता लगाने का अवसर प्रदान किया ।

मार्च, 2018 में, फ्रांस के महामहिम राष्ट्रपति श्री इमैन्युअल मैकरॉन के भारत दौरे के दौरान दोनों नेताओं ने अफ्रीका में साझा परियोजनाएं कार्यान्वित करने की उनकी इच्छा को दोहराया । वास्तव में कार्यान्वित की जाने वाली परियोजनाओं पर वर्तमान में, दोनों पक्षों द्वारा विचार विमर्श किया जा रहा है ।

*****